महत्वपूर्ण एवं खास

शनिवार को मिले 3455 नए मरीज, संक्रमण दर बढ़कर 7.43 प्रतिशत

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। बीते एक सप्ताह में संक्रमितों की संख्या 7 गुना बढ़ गई है। शनिवार को जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार प्रदेश में संक्रमण दर 7.43 प्रतिशत तक पहुंच गई। वहीं अब प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या 13 हजार 66 हो गई है। बता दें कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 3455 नए केस आए। शनिवार को 46 हजार 495 टेस्ट हुए। इस दौरान गंभीर बीमारी वाले 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं शनिवार को 69 लोग स्वस्थ हुए। जिलेवार मरीजों की संख्या– रायपुर 1024,दुर्ग 463,रायगढ़ 455,बिलासपुर 372,कोरबा 319,जशपुर 189,जांजगीर 177,राजनांदगांव 85,सरगुजा 65,बलौदाबाजार 47,कोरिया 34,धमतरी 30,सूरजपुर 9,मुंगेली 22,बालोद 20,सुकमा 20,कांकेर 17,बीजापुर 14,कबीरधाम 14,बस्तर 11, बलरामपुर 11,कोंडागांव 09,बेमेतरा 08,दंतेवाड़ा 07,महासमुंद 05,गरियाबंद 04,गौरेला-पेंड्रा-मरवाही 04 कोरोना पाजिटिव पाये गए है।

कारली में नदी डूबने से 10 वर्षीय बालक की हुई मौत

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के गीदम थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम कारली में आज नदी में नहाने गये 10 वर्षीय बालक महादेव कश्यप के नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर गीदम पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव पीएम के लिए गीदम अस्पताल लाया गया। गीदम थाना प्रभारी गोविन्द यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक बालक का शव गीदम अस्पताल लाया गया है, पीएम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

रायगढ़ की भरतनाट्यम नृत्यांगना डॉ दीपिका सरकार को कटक में नृत्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया

रायगढ़ (आरएनएस)। रायगढ़ शहर अपने कला के क्षेत्र में एक अलग ही पहचान रखता है। चाहे वो चक्रधर समारोह हो या इप्टा रंगमंच। सबके अपने-अपने भावभंगिमाऐ हैं। और उन कला के फ़नकारों को निखारने के लिए कुछ छुपे हुए कलागुरु हैं जो अपनी अथक प्रयासों से कला को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उसी में रायगढ़ शहर की प्रथम एवं एक मात्र नृत्यांगना जिन्हें भरतनाट्यम नृत्य में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है। जिन्होंने अपनी कला के गुर नौनिहालों को सीखा कर ऊँचा मुकाम हासिल कराया है। उन्हें ऊँचा मंच भी प्रदान कराती हैं। और उसका मान भी उनके शिष्य बखूबी रखते हैं और हर मंच पर परचम लहराते हैं। इस साल कटक ओडिशा में आयोजित हुए कटक नृत्य महोत्सव में उन्होंने अपने नृत्य की प्रस्तुति दी एवं उन्हें नृत्य शिरोमणि अवार्ड से सम्मानित किया गया। दीपिका, रायगढ़ में दीपिका नृत्यालय नाम से क्लासेस चलाती है। जहां वह भरतनाट्यम का प्रशिक्षण देती है। दीपिका सरकार, अंतरराष्ट्रीय स्तर सिंगापुर में भी अपना परचम लहरा चुकी है। जहां उन्हें शौर्य प्रवाह विभूति सम्मान से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा दीपिका के संरक्षण में प्रशिक्षण ले रहे बच्चे भी इस साल कटक में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किए है।

युवाओं ने अपनी रूचि और प्रतिभा के बल पर खोला संभावनाओं का नया आकाश-मुख्यमंत्री बघेल

लोकवाणी में मुख्यमंत्री बघेल ने रायगढ़ की युवा पर्वतारोही याशी जैन की उपलब्धियों का भी किया जिक्र

» मुख्यमंत्री ने युवा सपने और छत्तीसगढ़ विषय पर की बात

» लोकवाणी की 25वीं कड़ी प्रसारित

रायगढ़ । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आकाशवाणी से आज प्रसारित रेडियो वार्ता लोकवाणी की 25वीं कड़ी में युवा सपने और छत्तीसगढ़ विषय पर प्रदेशवासियों से चर्चा की। उन्होंने बातचीत की शुरूआत करते हुए पूरे छत्तीसगढ़ वासियों को नववर्ष की बधाई दी और कहा कि राज्य में विगत तीन वर्षों में जनभागीदारी और विकास का जो ताना-बाना बना है, उससे यह विश्वास जागा है कि नए वर्ष में सफलताओं और जन सशक्तिकरण के नए रंग भरे जाएंगे। लोकवाणी की 25 वीं कड़ी में श्रोताओं द्वारा छत्तीसगढ़ के युवाओं की उपलब्धियों से जुड़े सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के यंग अचीवर्स की बात करते हुए रायगढ़ की पर्वतारोही सुश्री याशी जैन की उपलब्धियों का भी जिक्र कर उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं और कहा कि हमारे प्रदेश के युवाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन बताता है कि अब हमारे युवा साथी पूरे दमखम के साथ मैदान में उतर चुके हैं और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का परचम लहरा रहे हैं। युवा ऊर्जा और युवा उम्मीदों से नवा छत्तीसगढ़ दमकने लगा है। यह सकारात्मक चेतना की क्रांति है, जो लगातार आगे बढ़ते जाएगी और नवा छत्तीसगढ़ गढ़ती जाएगी।

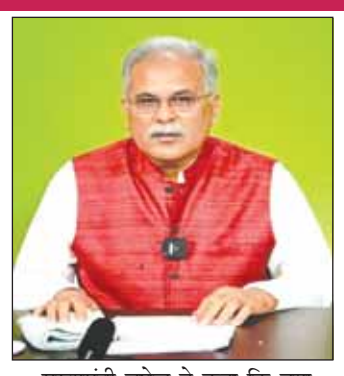

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि नया वर्ष, युवा सपने, युवा दिवस और नवा छत्तीसगढ़ के बीच एक अंतर्संबंध है। स्वामी विवेकानंद जी का रायपुर से अटूट नाता है। उसे चिरस्थायी बनाने के लिए हमने उनके जन्मदिन 12 जनवरी को युवा महोत्सव का आयोजन करने की शुरुआत सन् 2020 में की थी।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन पिछले दिनों किया है। यहां युवा प्रतिभाओं को संवारने, उन्हें अवसर देने और आगे बढ़ाने की दिशा में बहुत से नए कदम उठाए गए है, मेरा मानना है कि आज के जमाने में युवाओं का कॅरियर केवल सरकारी नौकरी से ही नहीं बनता, बल्कि हमारे युवा साथियों ने अपनी रुचि और प्रतिभा के बल पर संभावनाओं का नया आकाश खोल दिया है। आपमें जो संभावनाएं दिखाई पड़ी हैंए उन्हें साकार करने की दिशा में हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

हम प्रदेश में युवाओं की शिक्षा-दीक्षा तथा रोजगार के अवसरों पर ध्यान देने के साथ ही एक संस्कारवान युवा पीढ़ी तैयार करने की पहल कर रहे हैं। मेरा मानना है कि पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में सक्रिय होने के साथ ही युवा अवस्था में अपने परिवेश, अपने आसपास के लोगों की जिंदगी को करीब से देखने समझने और बेहतरी के लिए स्वस्फूर्त कदम उठाने की भावना बहुत जरूरी है। अपना नाम तथा अपनी कमाई का सपना तो एक दिन पूरा हो जाता है, लेकिन लोगों के दुख-दर्द में शामिल होने, अपनी संस्कृति तथा कमजोर तबकों की भलाई के लिए योगदान करने की भावना एक बीज की तरह युवाओं में डाली जानी चाहिए। हम छत्तीसगढ़ में ऐसी ही संस्कारवान युवा पीढ़ी का विकास करना चाहते हैं।

छत्तीसगढ़ के युवाओं को संगठित करने, सामूहिक रूप से समाज और प्रदेश में सकारात्मक बदलाव का आह्वान करते हुए हमने राजीव युवा मितान क्लब गठित करने की घोषणा भी की है, ताकि युवा इस क्लब में शामिल होकर रचनात्मक कार्यों में अपना सहयोग कर सके। इसके तहत प्रदेश के 13 हजार 269 नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में राजीव युवा मितान क्लब गठित करने हेतु कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। प्रत्येक क्लब में 20 से लेकर 40 तक युवा शामिल होंगे। जिनकी आयु 15 से 40 वर्ष के बीच हो। वर्षभर में इन क्लबों को 132 करोड़ 69 लाख रुपए की राशि अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी। इसकी पहली किस्त के रूप में 19 करोड़ 43 लाख रुपए की राशि जारी की जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ में विगत तीन वर्षों में रोजगार के अवसरों में बहुत बढ़ोतरी हुई है तथा निश्चित तौर पर इसका लाभ युवाओं को भी मिला है। मुझे खुशी है कि पिछले तीन वर्षों में सरकारी, अर्द्धसरकारी कार्यालयों में सीधी भर्ती के अलावा अन्य माध्यमों से भी भर्ती की गई है, जिसके कारण 4 लाख 65 हजार से अधिक लोगों को सरकारी और अर्द्धसरकारी कार्यालयों में कार्य करने का अवसर मिला है, इसके अलावा 30 हजार नौकरियां नए उद्योगों में मिली हैं। प्रदेश में निजी क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर नौकरियों का सृजन हुआ है। हमने ग्रामीण अंचलों में युवाओं को निर्माण कार्यों से जोड़ने के लिए ई-श्रेणी पंजीयन कराया था, जिसके अंतर्गत 3 हजार से अधिक युवाओं ने पंजीयन कराया है, जिन्हें बिना टेंडर के निर्माण कार्य का ठेका दिया जा रहा है। अभी तक लगभग एक हजार पंजीकृत युवाओं को सड़क, भवन आदि निर्माण कार्य आवंटित किए जा चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में हम युवाओं के सर्वांगीण विकास की बात करते हैं। राज्य में बहुत बड़ी आबादी की आजीविका का साधन आज भी कृषि है। बहुत लंबे अरसे का अनुभव रहा है कि हमारे युवा साथी कृषि को व्यवसाय की तरह अपनाने में हिचकते थे, लेकिन विगत तीन वर्षों में स्थिति+परिस्थितियां बदली हैं। हमने निश्चित तौर पर राज्य गठन के बाद सर्वाधिक सरकारी नौकरियों का सृजन किया है। छत्तीसगढ़ में परम्परागत रूप से रोजगार का सबसे बड़ा साधन कृषि क्षेत्र है। लेकिन गलत नीतियों के कारण डेढ़ दशक में खेती के काम को अंधेरी सुरंग बना दिया गया था, जहां से उजाले की किरण दूर-दूर तक दिखाई नहीं पड़ती थी। हमने खेती-किसानी को बेहतर आय और प्रतिभा दिखाने के बेहतर अवसरों से जोड़ दिया है। एक ओर हमने छत्तीसगढ़ की फसलों को समर्थन मूल्य पर खरीदने की बेहतर व्यवस्था की है, पशुधन पालन को लाभ का जरिया बनाया है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण अर्थव्यवस्थाए नई उपजों को बढ़ावा, उनकी प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, मार्केटिंग जैसी व्यवस्थाओं को संस्थागत रूप दिया है। कृषि की वैज्ञानिक शिक्षा के साथ शोध, अनुसंधान और आविष्कार के लिए बड़े पैमाने पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि युवा खतरे के खिलाड़ी होते है, उनमें न तो लगन की कमी है और न ही वे मेहनत से डरते है। हमारा मानना है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी तभी उनकी बुनियाद मजबूत होगी। तभी वे एक सक्षम युवा के रूप में बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे। शिक्षा में दो चीजे महत्वपूर्ण है, पहला उसकी व्यापकता अर्थात सभी को शिक्षा का अवसर तथा अधिकार मिलना चाहिए। वहीं दूसरी ओर शिक्षा उपयोगी, सार्थक हो इसके लिए शिक्षा का गुणवत्तापूर्ण होना आवश्यक है। हमने इन दोनों ही मोर्चों पर काम किया है। कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवार के बच्चों को कक्षा 12वीं तक निःशुल्क शिक्षा दिलाने के लिए देश में पहली बार हमने शिक्षा के अधिकार के प्रावधान को बढ़ाया है। बेटियों को स्नातकोत्तर तक निःशुल्क शिक्षा दिलाने की व्यवस्था की है। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय योजना लागू की गई है। हिन्दी माध्यम की शालाओं के लिए भी यह सुविधा उपलब्ध कराने की शुरुआत कर दी गई है। स्कूल से लेकर कॉलेज तक सुविधाओं में वृद्धि की गई है। साथ ही कमजोर तबकों की सुविधाओं में भी वृद्धि की गई है जैसे स्कॉलरशिप, भोजन सहायता राशि आदि में बढ़ोतरी की गई ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी करके बेहतर रोजगार के अवसर हासिल कर सकें।

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि हमने प्रयास आवासीय विद्यालयों की संख्या और गुणवत्ता भी बढ़ाई है, ताकि नक्सल प्रभावित जिलों और अनुसूचित क्षेत्रों के प्रतिभावान बच्चे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा हासिल कर सकें। इन्हीं प्रयासों के कारण पहली बार नेशनल टैलेंट सर्च परीक्षा में छत्तीसगढ़ के 22 बच्चों ने सफलता पाई। वर्ष 2021 में आईआईटी में 27, एनआईटी एवं समकक्ष शैक्षणिक संस्थानों में 35, सीएस फाउंडेशन में 5, क्लैट में दो, इंजीनियरिंग कॉलेज में 61 विद्यार्थी सफल हुए हैं। प्रयास संस्थाओं की संख्या बढ़कर अब 9 हो गई है तथा इसमें सीटों की संख्या बढ़कर 4 हजार 500 कर दी गई है। यहां के नतीजे न सिर्फ शत-प्रतिशत आए हैं बल्कि सभी बच्चे 80 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण हुए हैं।

छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार खेल प्रशिक्षण की समग्र अधोसंरचना का निर्माण किया गया है, जिसके अंतर्गत 9 अकादमी स्थापित की जा चुकी है। फुटबाल में बालिकाओं के लिए तथा कबड्डी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स तथा हॉकी में बालक-बालिकाओं दोनों के लिए, इस तरह 9 अकादमियां शुरू हो चुकी हैं। टेनिस स्टेडियम और अकादमी भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की जा चुकी है।

फ्रंटलाइन वर्कर, हेल्थ वर्कर तथा 60 से अधिक उम्र वाले को-मॉर्बिड व्यक्तियों को 10 जनवरी से लगेगा प्रिकॉशन डोज

» पहले लगा था जो टीका, उसी टीके की लगेगी डोज

» जिले में 10 जनवरी के लिए बनाए गए हैं 182 वैक्सीनेशन केन्द्र

» सुबह 09 से शाम 05 बजे तक लगेंगे टीके

रायगढ़ । रायगढ़ जिले के सभी फ्रंटलाइन वर्कर, हेल्थ वर्कर तथा 60 से अधिक उम्र वाले गंभीर बीमारी से को-मॉर्बिड व्यक्तियों को 10 जनवरी सोमवार से प्रिकॉशन डोज लगाने का अभियान शुरू किया जा रहा है।

कलेक्टर भीम सिंह ने बताया कि ऐसे सभी हेल्थ व फ्रंटलाइन वर्कर्स तथा को-मॉर्बिड व्यक्तियों जिनके दूसरे डोज की अवधि 9 माह पूर्ण हो गई है, को प्रिकॉशन डोज के रूप में एक अतिरिक्त डोज लगाया जावेगा। कलेक्टर सिंह ने बताया कि 10 जनवरी से प्रारंभ इस अभियान के लिए जिला स्तर पर कार्ययोजना बनाई गई है। इसके लिए टीकाकरण केन्द्रों में प्रिकॉशन डोज के पात्र हितग्राहियों को टीका लगाया जाएगा। कलेक्टर सिंह ने कार्यालय एवं संस्थान के पात्र सभी हितग्राहियों एवं परिवार के 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले को-मॉर्बिड हितग्राहियों का प्रिकॉशन डोज का टीकाकरण करवाने को कहा है।

स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए तैयारी पूरी कर ली है। जिले में फिलहाल 15-18 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों के टीकाकरण अभियान चल रहा है। इसी के साथ ही फ्रंटलाइन वर्कर्स और अन्य सभी पात्र हितग्राहियों को प्रिकॉशन डोज भी लगाया जाएगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.बी.पी.पटेल ने बताया कि 10 जनवरी के प्रिकॉशन डोज टीकाकरण के लिए विभाग ने जिले में कुल 182 टीकाकरण केन्द्र बनाए हैं। प्रिकॉशन डोज के लिए पात्र व्यक्ति इन केन्द्रों में सुबह 9 से 5 बजे के बीच आकर टीका लगवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को पहले कोविशील्ड या कोवैक्सिन में से जिस टीके की दोनों खुराक लगी होगी उसी टीके का डोज ही लगेगा। इसके अतिरिक्त टीकाकरण की जानकारी के लिये नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में भी संपर्क किया जा सकता है।

प्रदेश के अनेक स्थानों पर गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि होने की संभावना

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों में गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि होने की संभावना है। जानकारी के अनुसार प्रदेश के सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, पेण्ड्रा, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर, मुंगेली, कबीरधाम, बेमेतरा, बलौदाबाजार, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर तथा महासमुंद और उससे लगे जिलों में एक दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि होने की संभावना है।

मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर पूर्व राजस्थान के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा स्थित है। यहीं से एक द्रोणीका पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, होते हुए मराठवाड़ा तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। आज 10 जनवरी को प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश के सरगुजा संभाग बिलासपुर संभाग, दुर्ग संभाग के उत्तरी भाग और रायपुर संभाग के उत्तरी भाग में एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ ओलावृष्टि भी संभावित है। अधिकतम तापमान में सार्थक गिरावट होने की भी संभावना है।

छत्तीसगढ़ के धान क्रॉफ्ट प्रोजेक्ट को मिली सराहना

» स्कूली छात्र शिव कुमार सहारे ने धान क्रॉफ्ट की दी ऑनलाईन प्रस्तुति

रायपुर (आरएनएस)। ग्रामीण कला शिल्प एवं विज्ञान की थीम पर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के स्कूली छात्र द्वारा प्रदर्शित किए गए ''धान क्रॉफ्ट'' को लोगों ने खासा पसंद किया गया। बालोद जिले के हायर सेकण्डरी स्कूल बड़गांव के छात्र शिव कुमार सहारे ने धान क्रॉफ्ट में धान की बालियों, पैरा और धान का प्रयोग कर इससे विभिन्न कलात्मक और सजावटी सामग्री तैयार करने का ऑनलाईन प्रदर्शन

किया। गांव की सुंदरता ''धान क्रॉफ्ट'' विषय पर गांव की कला और नवाचार को प्रस्तुत किया। इस छात्र ने विद्यालय की शिक्षिका कादम्बिनी योगेश पारकर यादव के मार्गदर्शन ''धान क्रॉफ्ट'' प्रोजेक्ट तैयार किया। प्रदर्शनी के लिए छत्तीसगढ़ से 4 प्रोजेक्ट चयनित हुए थे, जिसमें रायपुर जिले से तीन और बालोद जिले से बड़गांव हायर सेकण्डरी स्कूल शामिल था। यह प्रदर्शनी 14 एवं 15 दिसम्बर को भारत सरकार के नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन के प्रोजेक्ट रीजनल इंडियन यंग इन्वेंटर्स एंड इनोवेशन चौलेंज 2021 अंतर्गत लगाई गई। इसका आयोजन साइंस सेंटर भोपाल के द्वारा किया गया।

पढ़ई तुंहर दुआर में हमारे नायक चुनी गईं लक्ष्मी पटेल

» रायगढ़ जिले की उपलब्धि में जुड़ी एक और कड़ी

» अनुभव आधारित स्वयं करके सीखने की संकल्पना अंतर्गत विद्यार्थी कागज से नई-नई चीजें बनाना सीखे

रायगढ़ । शासकीय प्राथमिक शाला कोसमनारा संकुल धनागर, विकासखण्ड व जिला रायगढ़ में सहायक शिक्षिका के रूप में कार्यरत श्रीमती लक्ष्मी पटेल पढ़ई तुंहर दुआर कार्यक्रम अंतर्गत हमारे नायक चुनी गई हैं।

उल्लेखनीय है कि श्रीमती लक्ष्मी पटेल ने बच्चों को स्वयं करके सीखने के अवधारणा के आधार पर छात्र-छात्राओं को कागज से नए-नए आकर्षक चीजों के निर्माण को सिखाने का प्रयास किया। अनुभव आधारित शिक्षा देने के इस प्रयास के अंतर्गत श्रीमती लक्ष्मी पटेल ने पर्यावरण विषय पर आधारित गतिविधि को चुना। मन

लगाकर हम जिस कार्य को करते हैं उस कार्य पर हमें अवश्य ही सफलता मिलती है। हम देखते हैं कि हमारे कक्षा में अनेक प्रकार के विद्यार्थी पढ़ाई करने आते हैं। उन सभी बच्चों की सोच-समझ में काफी अंतर होता है। कई बच्चे आसानी से हमारी बातों को समझ लेते हैं तो कुछ बच्चे समझाने के बाद भी कुछ नहीं समझ पाते। इसी समस्या को हल करने के लिए श्रीमती लक्ष्मी पटेल ने बच्चों को अपने अनुभव से दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने सोचा कि मैं कुछ ऐसा करूं जिससे बच्चे आसानी से विषय वस्तु को समझ जाएं, क्योंकि केवल पुस्तकीय ज्ञान ही बच्चों के लिए पर्याप्त नहीं होता है। जो कार्य हम अनुभव करके सीखते हैं वही स्थायी होता है। इसलिए उन्होंने पर्यावरण कक्षा तीसरी के गतिविधि को चुना। इस कार्य में संस्था के प्रधान पाठक घनश्याम सिंह पटेल, सुश्री सुशीला साहू व श्रीमती सपना वैष्णव की प्रेरणा व सहयोग इन्हें सतत् रूप से मिला। विकासखण्ड रायगढ़ के सहायक शिक्षिका श्रीमती लक्ष्मी पटेल के हमारे नायक चुने जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी रायगढ़ आर.पी.आदित्य, डीएमसी समग्र शिक्षा रमेश देवांगन, एपीसी भुवनेश्वर पटेल ने इस कार्य के लिए श्रीमति लक्ष्मी पटेल को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की हैं'

श्रीमती लक्ष्मी पटेल कहती है कि शिक्षा के क्षेत्र में आकर्षक और रोचकता लाने और कुछ अलग करने के लिए कागज के नए-नए आकर्षक चीजें बच्चों द्वारा बनाया जाता है, जिससे बच्चों में शारीरिक और मानसिक समन्वय की क्षमता का विकास होता है। बच्चे एक साथ हाथों से बनाते हैं और मन मस्तिष्क से सोचते भी हैं। जिससे उनके बौद्धिक विकास को बढ़ावा मिलता है। इसी उद्देश्य से मैंने शिक्षा में इस गतिविधियों को चुना है। बच्चे बार-बार स्वयं बना कर सीखते हैं तथा इस प्रकार स्वयं से कुछ कर पाने नया बनाने की खुशी और आत्मविश्वास उनके अंदर आता है। यह गतिविधि बच्चे की कल्पना शक्ति को बढ़ाता है और उनमें एकाग्रता आती है तथा नित्य नई चीजें बनाने के लिए उत्सुक रहते हैं। यह गतिविधि हमारे पाठ्यक्रम में कक्षा तीसरी के पर्यावरण से संबंधित है। इससे बच्चों में सृजनात्मकता और अविष्कार शीलता की भावना का विकास होता है। बच्चे स्वयं से इनको करके सीखते हैं। नए चीजों को बनाने के लिए कल्पना शक्ति को बढ़ाते हैं। जिससे बौद्धिक स्तर बढ़ता है। प्राथमिक स्तर के बच्चों की शिक्षा में इस तरह के कौशल के द्वारा बौद्धिक स्तर का विकास किया जाता है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480